PIXO®

PYRITHIOBAC-SODIUM 10% EC

Herbicide

Pyrithiobac-Sodium 10% EC is a herbicide containing 10% w/w active ingredient Pyrithiobac-Sodium with other relevant ingredients. It is used for the control of a large number of weeds in Cotton crop.

Chemical Composition:

Pyrithiobac-Sodium (Active Ingredient)	10.0% w/w (min)
Emulsifiers	25.0% w/w (max)
Mixtures of Lauryl alcohol and Octyl phenol ethoxylates Dimineralised Aqua	Q.S.
Total	100.0% w/w

Recommendations:

Crop	Common name of the weeds	Dosage per Hectare			Waiting Period between last spray and harvest (In days)
		A.I. (gm)	Formulation (ml)	Dilution in water (ltr)	
Cotton Gossypium	Trianthema sp. (Santhi) Chenopodium sp. (Bathua) Digera sp. (Tendala) Amaranthus spp Celocia argentia	62.5-75	625-750	500	160

Hand horrowing once at 30 days after sowing may be supplimented for better results.

Equipment used in application: Knapsack sprayer, Knapsack power sprayer, motorized knapsack sprayer cum duster, compression knapsack sprayer, compression knapsack battery sprayer, wheel barrow sprayer and HTP power sprayer fitted with proper nozzles (flat-fan) which ensures uniform coverage of cropped area with spray solution.

Direction for use: Take the measured quantity of Pyrithiobac-Sodium 10% EC, add to it a small quantity of water, mix thoroughly and then add the remaining quantity of water while stirring vigorously. Do not spray facing the wind. Pyrithiobac-sodium 10% EC may be applied as a pre-emergence or early post-emergence or post-emergence herbicide for control of weeds in cotton. As for any other herbicide, adequate soil moisture and spraying of herbicide solution under cool conditions is essential for best results. Do not apply Pyrithiobac-sodium 10% EC under hot weather and moisture stress conditions. Extent and duration of weed control depends on soil and moisture conditions.

Time of application:

Pre-emergence: 3-5 days after sowing (In assured moisture conditions)

Precautions: Avoid inhalation and contact with eyes, skin and mucous membrane. Use protective clothing like gloves, apron, mask while handling. Do not eat, drink, chew tobacco or smoke during application. Wash contaminated skin and clothes after use. Do not use empty containers for any other purpose. Destroy empty containers after use.

Symptoms of poisoning: Eye and skin irritation may occur. On contact, redness in eyes, tearing may occur. Nasal irritation, respiratory distress, tremors and incordination may also occur.

First aid measures: If inhaled remove the patient into fresh air. On contamination of skin and eyes wash and flush with plenty of water. If swallowed drink lot of milk, egg white or gelatin solution and contact doctor. Do not induce vomiting until advised by doctor.

Antidote: No specific antidote known. Treat symptomatically.

Conditions to be specified for storage of herbicides: • The package containing herbicides shall be stored in separate rooms or premises away from the rooms or premises used for storing other articles or shall be kept in separate almirahs under lock and key depending upon the quantity and nature of the herbicide. • The rooms or premises meant for storing herbicides shall be well built, dry, well-lit and ventilated and of sufficient dimension to prevent environmental contamination with vapour of herbicide.

Disposal of used packages, surplus materials and washings of herbicides: • It shall be the duty of manufacturers, formulators of herbicides and operators to dispose packages or surplus materials and washings in a safe manner so as to prevent environmental or water pollution. • The used packages shall not be left outside to prevent their re-use. • The packages shall be broken and buried away from habitation.

पिक्सो

पाइरीथायोबेक सोडियम १०% ई.सी.

खरपतवार नाशक

पाइरीथायोबेक सोडियम १०% ई.सी. एक खरपतवार नाशक हैं जिसमें सक्रिय तत्व पाइरीथायोबेक सोडियम १० प्रतिशत के अलावा इसमें आवश्यक सहयोगी पदार्थ हैं। यह कपास में खरपतवार नाशक के रूप में उपयोगी है।

रासायनिक रचना:

पाईरीथायोबेक सोडियम (स.त.)	१०.० %भा/भा (न्यून.)
लारिल एल्कोहल एवं ऑक्टिल फिनोल इथोक्सीलेट के मिश्रण	२५.० %भा/भा(अधि.)
अखनिज जल	आवश्यकतानुसार
कुल	१००.०० %भा/भा

सिफारश:

फसल	खरपतवार	मात्रा प्रति हेक्टर			आखरी छिड़काव और फसल कटाई में अंतर (दिन)
		स.त. (ग्राम)	तैयार सामग्री (मि.ली.)	पानी की मात्रा (ली.)	
कपास	साठी, बथुआ, मुंग, जंगली चौलाई, कोन्दा	६२.५-७५	६२५-७५०	५००	१६०

उत्तम परिणाम के लिए बुआई के ३० दिन बाद एक बार हैन्ड होइंग कर सकते हैं।

छिड़काव यंत्र: सभी प्रकार के नेपसेक छिड़काव यंत्र जिनमें उपयुक्त नोझल (फ्लैट फैन टाइप) लगा हो जिससे जमीन की अधिकतम सतह पर दवा का घोल पहुंच सके।

उपयोग संबंधी निर्देश: निश्चित मात्रा में ली हुई पाइरीथायोबेक सोडियम १०% ई.सी. को पहले थोडे पानी में डाल कर घोल ले, पश्चात आवश्यक पानी डाल कर पूरा घोल बना लें व अच्छी तरह हिला लें। छिड़काव करते समय ध्यान रखें कि हवा का रूख सामनेसे अपनी तरफ नहीं हो। पाइरीथायोबेक सोडियम १०% ई.सी. को कपास के खेतों में खरपतवार नियंत्रण हेतु अंकुरण पूर्व बुवाई के ३-५ दिन बाद उपयोग में लाया जा सकता हैं। अन्य खरपतवार नाशकों की तरह ही इसमें भी मिट्टी में पर्याप्त नमी एवं थंडा वातावरण होना आवश्यक हैं। गर्मी व मिट्टी में नमी कमी की हालात में उपयोग न करें। दवाई की उपयोगिता मिट्टी की नमी पर काफी निर्भर करती हैं।

छिड़काव का समय:

अंकुरण पुर्व : बुवाई के ३-५ दिन पश्चात (सुनिश्चित नमी की अवस्थान में।)

सावधानियां: सूंघनेसे बचे, त्वचा, मुंह व आखों पर दवा नहीं लगने दें। पर्यावरण एवम् जल प्रदुषित नहीं होने दें। छिड़काव करते समय थुम्रपान न करें, तम्बाकू न चबाएं, खाना न खायें। सुरक्षात्मक कपडे, दास्ताने, चश्में व अन्य सुरक्षात्मक साधनों का इस्तेमाल करें।

विषबाधा के लक्षण: पदार्थ के संपर्क में आने पर त्वचा में जलन, खुजली, ललाई, सुजन व आँखों में जलन, आंसू आना आदि। नाक में खुजली, सांस में तकलीफ, कंपकंपी, लड़खड़ाना।

प्राथमिक उपचार: त्वचा एवम् आखों के सपंर्क में आने पर अच्छी तरह पानी से लगातार धोयें। निगलने पर तुरंत डॉक्टर की सलाह लें, रोगी को खूब दूध, अंडे की सफेद जर्दी, जिलेटीन घोल या फिर पानी पिलायें। उल्टी जबतक डॉक्टर ना कहें नहीं करवायें। रोगी को खुली हवा में ले जाए।

विष प्रतिरोधक: कोई खास विष उपचार नहीं, लक्षणानुसार इलाज करे.

खरपतवार के भंडारण हेतु विशिष्ट दिशा निर्देश: • खरपतवारवाले डिब्बों का भंडारण अपनी मात्रा के अनुसार अलग से ताले चाबीवाले कमरें में किया जाय या ऐसी अल्मारीयों में जहां और कुछ न रखा हों। • वो कमरे या आहाते जहाँ खरपतवार नाशक रखा गया हैं सुनिर्मित, प्रकाशपूर्ण, हवादार, पर्याप्त आयामों के हों जहां खरपतवार की कोई भी वाष्प द्वारा वातावरण दुषित न हों।

उपयोग किए हुए डिब्बों का बचे हुए खरपतवार का एवं धोवन का निपटान: • यह निर्माता, विपणनकर्ता एवं उपयोग करने वाले सभी महानुभावों की जिम्मेदारी हैं की वे उपयोग किए हुए डिब्बोंका, बची हुई दवा का धोवन आदि का निपटान इस प्रकार करें कि जिससे जल एवं वातावरण का प्रदुषण नहीं हों। • खाली डिब्बे कही बाहर नहीं छोड़ें जाएं ताकि उनका पुन: उपयोग नहीं हों। • डिब्बे तोडकर, क्स्ती से दूर जमीन में गाड दिए जाएं।

पिक्सो

पाइरीथायोबेक सोडीयम १०% ई.सी.

तणनाशक

पाइरीथायोबेक सोडीयम १०% ई.सी. एक तणनाशक आहे ज्यात सक्रिय तत्व पाइरीथायोबेक सोडीयम १०% व/व सह इतर सहाय्यक पदार्थ आहेत. ह्याचा वापर कपाशी मधिल मोठया प्रमाणातील तणांवर केला जातो.

रासायनिक संरचना:

पाइरीथायोबेक सोडीयम (सक्रिय तत्व)	१०.०% व/व (न्यून.)
इमल्सिफायर्स	२५.०% व/व (अधि.)
लॉरिल अल्कोहल आणि ऑक्टिल फिनॉल इथॉक्सिलेटेडचे मिश्रण	
डिमीनरलाइज्ड ॲक्वा	क्यू.एस
एकूण	१००.०% व/व

शिफारस:

पीक	तणाचे सामान्य नाव	प्रमाण प्रति हेक्टर			शेवटची फवारणी आणि कापणी मधिल अंतर (दिवसात)
		स.त. (ग्रॅ)	द्रावण (मि.लि.)	सौम्य करण्या साठी पाणी (लि.)	
कापूस	ट्रॉन्थमा एस पी (सांठी) चिनपोडीयम एस पी (बथुआ) डिजीटेरिया एस पी. (टेंडाला) ॲमरॅन्थस एसपीपी सिलोसिया आर्जेंटिया	६२.५-७५	६२५-७५०	५००	१६०

उत्तम परिणामासाठी पेरणीच्या ३० दिवसांनी एकदा हाताने हॉरोइंग करू शकता.

फवारणीसाठी वापरात येणारी उपकरणी: नॅपसॅक स्प्रेयर, नॅपसॅक पॉवर स्प्रेयर, मोटराइज्ड नॅपसॅक स्प्रेयर कम डस्टर, कम्प्रेशन नॅपसॅक स्प्रेयर, कम्प्रेशन नॅपसॅक बॅटरी स्प्रेयर, व्हिल बॅरो स्प्रेयर आणि एचटीपी पॉवर स्प्रेयर ज्यात उपयुक्त नोझल बसविलेली असेल (फ्लॅट-फॅन) ज्यामुळे पीकाच्या संपूर्ण भागावर एकसमान फवारणी द्रावण पोहोचेल.

वापरासंबंधी निर्देशन: मोजलेले प्रमाण घेवून पाइरीथायोबेक सोडीयम १०% ई.सी. ला प्रथम थोडया पाण्यात घालून मिसळा, त्यानंतर पूरेश्या पाण्यात घालून संपूर्ण द्रावण बनवा व व्यवस्थित ढवळा. वाऱ्याच्या विरूद्ध दिशेने फवारणी करू नये. पायरीथायोबेक सोडियम १०% ई.सी. कपाशीच्या शेतात तणांच्या नियंत्रणासाठी अंकुरणापूर्वी आणि अंकुरणानंतरही वापरात आणू शकता. इतर तणनाशकांच्या प्रमाणे ह्याताही मातीत पुरेसा दमटपणा व थंड वातावरण होणे आवश्यक आहे. उष्णता व मातीत दमटपणाची कमतरता असल्यास वापर करू नये. तणांचे नियंत्रण द्रावणाचा वापर, मातीतील दमटपणा वर खूपशे निर्भर आहे.

फवारणीचा कालावधी:

अंकुरणा पूर्व : बि पेरणीच्या ३-५ दिवसांनी (सुनिश्चित आर्द्रतेच्या अवस्थेत)

खबरदारी: श्वासाद्वारे आत घेवू नका आणि डोळे, त्वचा आणि नकातील पेशींना संपर्कांत येवू देवू नका. हाचा वापर करताना हातमोजे, ॲप्रन, मास्क असा सुरक्षित पोषाख वापरावा. ह्याची फवारणी करताता खादू, पीवू, तंबाखू चघळू नये वा धुम्रपान करू नये. वापरानंतर दूषित झालेली त्वचा आणि कपडे धुवा. रिकामी डब्यांचा वापर कोणत्याही कामासाठी करू नये. वापरानंतर रिकामी डबे नष्ट करा.

विषबाधेची लक्षणे: डोळे व त्वचेस जळजळ होवू शकते. संपर्कांत आल्यास डोळे लाल होणे, अश्रू येणे असे होवू शकते. नाकास खाज येणे, श्वासोश्वासात त्रास होणे. कांपरे, असमन्वय.

प्रथमोपचार: श्वासद्वारे आत गेल्यास रूग्णास मोकळ्या हवेत आणा. त्वचा व डोळ्यांशी संपर्क झाल्यास भरपूर पाण्याने धुवा गिळले गेल्यास रूग्णास भरपूर दूध, अंड्याचील पांढरे, जिलेटीन सोल्यूशन द्या आणि डॉक्टरशी संपर्क साधा. जो पर्यंत डॉक्टर सांगत नाहीत तो पर्यंत उल्टी करवू नये.

विषरोधकता: कोणताही खास उपचार माहीत नाही, लक्षणानुसार उपचार करा.

तणनाशकाच्या साठवणी हेतु विशिष्ट दिशा निर्देश: • तणनाशकाची पॅकेजिस वेगळ्या खोलीत वा जागेत इतर समान साठवणीच्या जागेपासून दूर तणनाशकाचे प्रमाण आणि प्रकारानुसार वेगळ्या कपाटात कडीकुलपात ठेवावे. • तणनाशक साठवण करण्याची खोली वा जागा मजबूत बांधणीची, कोरडी, भरपूर उजेडाची व हवेशीर आणि पूरेशी लांबरूंद असावी जेणे करून पर्यावरणाशी वाष्पने होणारे प्रदुषण टळेल.

वापरलेली पॅकेजिस इतर साहीत्य आणि तणनाशकाच्या पाण्याची विल्हेवाट • निर्माता, तणनाशक फॉर्म्यूलेटर्स आणि ऑपरेटर्सनी रिकामी पॅकेजिस वा इतर साहित्य आणि धुण्याचे पाणी ह्यांची विल्हेवाट अशा पद्धतीने लावावी जेणेकरून पर्यावरण वा पाणी दूषित होणार नाही. • वापरलेली पॅकेजिसचा पूर्नवापर होवू नये म्हणून उघड्यावर टाकू नयेत • रिकामी पॅकेजिस मोडून-तोडून मनुष्यवस्तीपासून दूर पुरावित.

पिक्सो

પાયરીથાયોબેક-સોડિયમ ૧૦% ઈસી

નીંદણનાશક

પાયરીથાયોબેક સોડિયમ ૧૦% ઈસી એ બીજા સંબંધિત ઘટકો સાથે સક્રિય ઘટક પાયરીથાયોબેક-સોડિયમ ૧૦% ત/વ ધરાવતું નીંદણનાશક છે. એનો ઉપયોગ કપાસના પાકમાં મોટી સંખ્યામાં નીંદણોના નિયંત્રણ માટે કરવામાં આવે છે.

રાસાયણિક રચના:

પાયરીથાયોબેક-સોડિયમ (સક્રિય ઘટક)	૧૦.૦% વ/વ (લઘુત્તમ)
ઈમલ્સિફાયર્સ	૨૫.૦% વ/વ (મહત્તમ)
લૉરિલ આલ્કોહૉલ અને ઓક્ટાઈલ ફિનૉલ ઈથૉક્સિલેટેડ્સ ડિમિનરલાઈઝ્ડ એક્વામાં મિશ્રણો	
કુલ	ક્યૂ.એસ
	૧૦૦.૦% વ/વ

ભલામણો:

પાક	નીંદણોનું સામાન્ય નામ	હેક્ટર દીઠ પ્રમાણ			ઠેલ્લા છંટકાવ અને લણણી વચ્ચે પ્રતીક્ષા ગાળો (દિવસો)
		સ.ત. (ગ્રામ)	નીંદણનાશક (મિ.લી.)	મંગેઠવા માટે પાણી (લીટર)	
કપાસ	ટ્રાયન્થેમા એસપી. (સાંઠી) ચેનોપોડીયમ એસપી. (બથુઆ) ડાયગેરા એસપી (ટેન્ડાલા) એમરન્થસ એસપીપી સેલોસિયા આર્જેન્ટિયા	૬૨.૫-૭૫	૬૨૫-૭૫૦	૫૦૦	૧૬૦

વાવ્યા પછી ૩૦ દિવસે એકવાર હાથેથી કડબ હેરવવી એ બહેતર પરિણામો માટે પૂરવણીકારક રહેશે.

ઉપયોગમાં વપરાતાં સાધનો: નૅપસૅક સ્પ્રેયર, નૅપસૅક પાવર સ્પ્રેયર, મારૂતીઝ્ડ નૅપસૅક સ્પ્રેયર કમ ડસ્ટર, કૉમ્પ્રેશન નૅપસૅક સ્પ્રેયર, કૉમ્પ્રેશન નૅપસૅક બૅટરી સ્પ્રેયર, વ્હીલ બૅરો સ્પ્રેયર અને એચટીપી પાવર સ્પ્રેયર જેમાં યોગ્ય નોઝલ (ફ્લૅટ-ફૅન) બેસાડેલ હોય જે છંટકાવના દ્રાવણ વડે પાકવાળા વિસ્તારોનું એકસરખું આવરણ નિશ્ચિત કરે છે.

ઉપયોગ માટે સૂચના: પાયરીથાયોબેક-સોડિયમ ૧૦% ઈસીની માપેલા જથ્થો લો, એમાં થોડુંક પાણી ઉમેરો, સંપૂર્ણ પણે મિશ્રણ કરો અને પછી પાણીનો બાકીનો જથ્થો ઉમેરો તે વખતે ખોતથી હલાવતા રહો. પવનની સામે સ્પ્રે કરો છંટકાવ કરશો નહીં. પાયરીથાયોબેક-સોડિયમ ૧૦% ઈસીનો ઉપયોગ કપાસમાં નીંદણોના નિયંત્રણ માટે નીંદણો ઉગવાં પહેલાં અથવા શરૂઆતમાં ઉગ્યા પછી અથવા તો ઉગ્યા પછી નીંદણનાશક તરીકે કરી શકાય છે. કોઈપણ બીજા નીંદણનાશક માટે હોય તે તેમ, એક પણ પાયરીથાયોબેક માટે, જમીનમાં પૂરતો ભેજ અને ઠંડવાળી પરિસ્થિતિઓમાં નીંદણનાશક દ્રાવણનો છંટકાવ કરવો આવશ્યક છે. પાયરીથાયોબેક-સોડિયમ ૧૦% ઈસીનો છંટકાવ ગરમ આબોહવા અને ભેજની ગાણવાળી પરિસ્થિતિઓમાં કરશો નહીં. નીંદણ નિયંત્રણની હદ અને મુદ્દત જમીન પરા ભેજની પરિસ્થિતિઓ પર આધાર રાખે છે.

ઉપયોગનો સમય:

નીંદણ ઉગ્યા પહેલાં, પછી: વાવ્યા પછી ૩-૫ દિવસે (નિશ્ચિત ભેજવાળી હાલતમાં).

સાવચેતીઓ: શ્વાસમાં લેવાનું અને આંખો, ત્વચા અને મ્યુકોસ ત્વચા સાથે સંસર્ગ ટાળો. રક્ષણ કારક કપડાં ચેવાં કે ગલ્વઝ, ઍપ્રન, માઉઝ્ડ નીંદણનાશક સંભાળતી વખતે પહેરો. ઉપયોગ કરતી વખતે ખાવું, પીવું, ટમાકુ ચાવવી અથવા ધૂમ્રપાન કરવું નહીં. ઉપયોગ કર્યા પછી દૂષિત થયેલી ત્વચા અને કપડા ધોઈ નાંખો. ખાલી પાત્રો કોઈપણ બીજા હેતુ માટે વાપરશો નહીં. વાપર્યા પછી ખાલી પાત્રોનો નાશ કરો.

ઝેર લક્ષણોનાં લક્ષણો: આંખ તથા ત્વચામાં કાંઝા/બળતરા થઈ શકે. સંસર્ગ થતાં, આંખોમાં લાલાશ, આંસુ ગળવાં વગેરે થાય. નાકમાં ત્રાસ/બળતરા, શ્વાસમાં તકલીફ, ધ્રૂજારી, દિશામાં વિસંગતિ.

પ્રાથમિક સારવાર પગલાં: જો શ્વાસમાં જાય તો દર્દીને તાજી હવામાં ખસેડો. ત્વચા અને આંખો દૂષિત થવા પામે, તો પુષ્કળ પાણીથી ધુઓ અને ત્યારસ માટે. જો ગળવામાં આવે, તો પુષ્કળ દૂધ પીઓ, ઈંડાંની સફેદી અથવા જીલેટીન દ્રાવણ આપો અને ડૉક્ટરની સંપર્ક સાધો. ડૉક્ટર સલાહ ન આપે ત્યાંસુધી ઉલટી કરાવશો નહીં.

એંટ્રુ મારણ: કોઈ ચોક્કસ મારણ જાણીતું નથી. લક્ષણોઅનુસાર સારવાર આપવી.

નીંદણનાશકોના સંગ્રહ માટે સૂચવવામી શરતો: • નીંદણનાશકો ધરાવતું પૅકેજ બીજા વીજપદાર્થો સંગ્રહના માટે વપરાતાં ઓરડા અથવા જગ્યાથી દૂર અલગ ઓરડા અથવા જગ્યામાં સંગ્રહવું અથવા નીંદણનાશકના જથ્થા અને પ્રકાર ઉપર આધારિત અલગ કબાટોમાં તાળાં-ચાવીમાં બંધ કરીને રાખવું. • નીંદણનાશકના સંગ્રહ માટેનાં ઓરડા અથવા જગ્યા સારી બાંધણીનાં, સૂકાં, સારો પ્રકાશ ધરાવતાં અને હવાઉદાર હશે પૂરતી મોકળાશવાળાં હોવાં જોઇએ જેથી નીંદણનાશકની વરાળથી પર્યાવરણીય પ્રદૂષણ થતું અટકાવી શકાય.

નીંદણનાશકોનાં વપરાયેલાં પૅકેજીસ, વધારાની સામગ્રી તથા ધોવાણોનો નિકાલ: • નીંદણનાશકોના ઉત્પાદકો, તૈયાર કરનારાઓ અને સંચાલકોની એ ફરજ રહેશે કે પૅકેજીસ અથવા વધારાની સામગ્રી અને ધોવાણોનો એવી સલામતીરીતમાં નિકાલ કરવામાં આવે જેથી પર્યાવરણનું અથવા જળ પ્રદુષણ થતું અટકે. • વપરાયેલાં પૅકેજીસ ટેમનો ફરીથી ઉપયોગ થતો રોકવા માટે બહાર રાખવાં નહીં. • પૅકેજીસ ભાંગી નાંખવાં અને વસ્તીથી દૂર દાટી દેવાં.

पिक्सो

पाइरीथायोबेक सोडियम १०% ई.सी.

खरपतवार नाशक

पाइरीथायोबेक सोडियम १०% ई.सी. एक खरपतवार नाशक है जिसमें सक्रिय तत्व पाइरीथायोबेक सोडियम १० प्रतिशत के अलावा इसमें आवश्यक सहयोगी पदार्थ हैं। यह कपास में खरपतवार नाशक के रूप में उपयोगी है।

रासायनिक रचना:

पाईरीथायोबेक सोडियम (स.त.)	१०.० %भा/भा (न्यून.)
लारिल एल्कोहल एवं ऑक्टिल फिनोल इथोक्सीलेट के मिश्रण	२५.० %भा/भा(अधि.)
अखनिज जल	आवश्यकतानुसार
कुल	१००.०० %भा/भा

सिफारश:

फसल	खरपतवार	मात्रा प्रति हेक्टर			आखरी छिड़काव और फसल कटाई में अंतर (दिन)
		स.त. (ग्राम)	तैयार सामग्री (मि.ली.)	पानी की मात्रा (ली.)	
कपास	साठी, बथुआ, मुंग, जंगली चौलाई, कोन्दा	६२.५-७५	६२५-७५०	५००	१६०

उत्तम परिणाम के लिए बुआई के ३० दिन बाद एक बार हैन्ड होइंग कर सकते हैं।

छिड़काव यंत्र: सभी प्रकार के नेपसेक छिड़काव यंत्र जिनमें उपयुक्त नोझल (फ्लैट फैन टाइप) लगा हो जिससे जमीन की अधिकतम सतह पर दवा का घोल पहुंच सके।

उपयोग संबंधी निर्देश: निश्चित मात्रा में ली हुई पाइरीथायोबेक सोडियम १०% ई.सी. को पहले थोडे पानी में डाल कर घोल ले, पश्चात आवश्यक पानी डाल कर पूरा घोल बना लें व अच्छी तरह हिला लें। छिड़काव करते समय ध्यान रखें कि हवा का रूख सामनेसे अपनी तरफ नहीं हो। पाइरीथायोबेक सोडियम १०% ई.सी. को कपास के खेतों में खरपतवार नियंत्रण हेतु अंकुरण पूर्व बुवाई के ३-५ दिन बाद उपयोग में लाया जा सकता हैं। अन्य खरपतवार नाशकों की तरह ही इसमें भी मिट्टी में पर्याप्त नमी एवं थंडा वातावरण होना आवश्यक हैं। गर्मी व मिट्टी में नमी कमी की हालात में उपयोग न करें। दवाई की उपयोगिता मिट्टी की नमी पर काफी निर्भर करती हैं।

छिड़काव का समय:

अंकुरण पुर्व : बुवाई के ३-५ दिन पश्चात (सुनिश्चित नमी की अवस्थान में।)

सावधानियां: सूंघनेसे बचे, त्वचा, मुंह व आखों पर दवा नहीं लगने दें। पर्यावरण एवम् जल प्रदुषित नहीं होने दें। छिड़काव करते समय थुम्रपान न करें, तम्बाकू न चबाएं, खाना न खायें। सुरक्षात्मक कपडे, दास्ताने, चश्में व अन्य सुरक्षात्मक साधनों का इस्तेमाल करें।

विषबाधा के लक्षण: पदार्थ के संपर्क में आने पर त्वचा में जलन, खुजली, ललाई, सुजन व आँखों में जलन, आंसू आना आदि। नाक में खुजली, सांस में तकलीफ, कंपकंपी, लड़खड़ाना।

प्राथमिक उपचार: त्वचा एवम् आखों के सपंर्क में आने पर अच्छी तरह पानी से लगातार धोयें। निगलने पर तुरंत डॉक्टर की सलाह लें, रोगी को खूब दूध, अंडे की सफेद जर्दी, जिलेटीन घोल या फिर पानी पिलायें। उल्टी जबतक डॉक्टर ना कहें नहीं करवायें। रोगी को खुली हवा में ले जाए।

विष प्रतिरोधक: कोई खास विष उपचार नहीं, लक्षणानुसार इलाज करे.

खरपतवार के भंडारण हेतु विशिष्ट दिशा निर्देश: • खरपतवारवाले डिब्बों का भंडारण अपनी मात्रा के अनुसार अलग से ताले चाबीवाले कमरें में किया जाय या ऐसी अल्मारीयों में जहां और कुछ न रखा हों। • वो कमरे या आहाते जहाँ खरपतवार नाशक रखा गया हैं सुनिर्मित, प्रकाशपूर्ण, हवादार, पर्याप्त आयामों के हों जहां खरपतवार की कोई भी वाष्प द्वारा वातावरण दुषित न हों।

उपयोग किए हुए डिब्बों का बचे हुए खरपतवार का एवं धोवन का निपटान: • यह निर्माता, विपणनकर्ता एवं उपयोग करने वाले सभी महानुभावों की जिम्मेदारी हैं की वे उपयोग किए हुए डिब्बोंका, बची हुई दवा का धोवन आदि का निपटान इस प्रकार करें कि जिससे जल एवं वातावरण का प्रदुषण नहीं हों। • खाली डिब्बे कही बाहर नहीं छोड़ें जाएं ताकि उनका पुन: उपयोग नहीं हों। • डिब्बे तोडकर, क्स्ती से दूर जमीन में गाड दिए जाएं।

पिक्सो

ઈરીથિયોબેક-સોડિયમ ૧૦% ઇસી

કલોરાયનાશક

પૈરિથિયોબેક-સોડિયમ ૧૦% ઇસી એ કેટ કલોરાયનાશક યોગદાર પૈરિથિયોબેક-સોડિયમ ૧૦% ઇસી સક્રિયતા ધરાવતા ઇથર સંયોગોથી પ્રોટાઇઝ્ડ કલોરાયનાશક છે. આ પૈરિથિયોબેક-સોડિયમ ૧૦% ઇસી કપાસ પાકમાં ઘણાબધાં કલોરાયનાશકોના નિયંત્રણ માટે વપરાય છે.

રાસાયણિક સંયોજન:

પૈરિથિયોબેક-સોડિયમ (સક્રિય ઘટક)	10.0% ઇ/ઇ (લઘુત્તમ)
ઇમલ્સીફાયરર્સ	25.0% ઇ/ઇ (મહત્તમ)
લારીલ અલ્કોહલ અને ઓક્ટાઇલ ફિનોલ ઇથોક્સીલેટ્સ ડિમિનરલાઇઝ્ડ એક્વાના મિશ્રણ	
ક્યુલ	ક્યુ.એસ
કુલ	100.0% ઇ/ઇ

ભલામણો:

પાક	નીંદણોનું સામાન્ય નામ	હેક્ટર દીઠ પ્રમાણ			છેલ્લા છંટકાવ અને લણણી વચ્ચે પ્રતીક્ષા ગાળો (દિવસો)
		સ.ત. (ગ્રામ)	નીંદણનાશક (મિ.લી.)	મંગેઠવા માટે પાણી (લીટર)	
કપાસ	ટ્રાયન્થેમા એસપી. (સાંઠી) ચેનોપોડીયમ એસપી. (બથુઆ) ડાયગેરા એસપી (ટેન્ડાલા) એમરન્થસ એસપીપી સેલોસિયા આર્જેન્ટિયા	૬૨.૫-૭૫	૬૨૫-૭૫૦	૫૦૦	૧૬૦

વાવ્યા પછી ૩૦ દિવસે એકવાર હાથેથી કડબ હેરવવી એ બહેતર પરિણામો માટે પૂરવણીકારક રહેશે.

ઉપયોગમાં વપરાતાં સાધનો: નૅપસૅક સ્પ્રેયર, નૅપસૅક પાવર સ્પ્રેયર, મારૂતીઝ્ડ નૅપસૅક સ્પ્રેયર કમ ડસ્ટર, કૉમ્પ્રેશન નૅપસૅક સ્પ્રેયર, કૉમ્પ્રેશન નૅપસૅક બૅટરી સ્પ્રેયર, વ્હીલ બૅરો સ્પ્રેયર અને એચટીપી પાવર સ્પ્રેયર જિન્ઝાં નાજ ઝ્લૅટ-ફૅન વરગા સરી સ્પ્રેયર લૅગા હોય, જિમ નાજ કિ ઝ્રસલ મ્પ્રે નાજ પુરી રીતાં કબલોન વલ્વર રે જાન્વે.

વરતરુ લઈ વિદાનિરાં: પાયરીથાયોબેક-સોડિયમ ૧૦% ઇસી લી કાપી રોઈ મારતરા ટૂં થેડ્રે નિરે પાણી વિદ્ધ ખોલે અને ફ્રિર ઝાઘી લા પાણી લી ચૅંગી રતરાં પિલાગુંદે હોદે મિલા દિઈં। ફ્રિરૂવાબ ગવર વરતરુ લે સરાબતે વાળે પાણે સૈં ના કરે। પાયરીથાયોબેક-સોડિયમ ૧૦% ઇસી ટૂં કપાસ વિચલે નલીનાં ઉંરિ, ઉંગવર તૈં પહિલાં, ઉંગવર તૈં ઝરર બાબદ નાં ઉંગવર તૈં બાબદ વરતિબાં ના સકદા પે। દૂસે વિસે લી વરાતિબાણવર લી ગ્વરલ વિદ્ધ, મિંટાં વિદ્ધ કાબ્રી નમી અને ઠૈંદે માગૈલ દા હોરા બહુરુ ઝરૂરી પે। પાયરીથાયોબેક-સોડિયમ ૧૦% ઇસી ટૂં ગરમી અને નમી દે દબાબાં વાળે ગ્વરલ વિદ્ધ ન ફ્રિઝરે। ઠંદોનાં લી રોવણમ લી દોંદ અને મિઆબ મિંટાં કે નમી દીઆં ગ્વરલાં તૈં નિરઝર પે।

વરતરુ દા સમૈં:

ઉંગવર તૈં પહિલાં તે બાબદ: બીજટ તૈં ૩-૫ દિન બાબદ (પકીની નમી દી ગ્વરલ વિંચ)

સાવધાનીઆં: દબાઈ દૂં ન સૂંઘો, ન અંખાં વિચ, ચમડી ઉંતે અતે મિયુંદ્રિક મૈંબ્રેન નાલ લૅગન દિઈં। વરતરુન દેંગન ઘચ્ચમ કરન વાલે વમરતર પહિરે જિઈં દમરતે, એપરન, માસ્ક। વરતરૈં કરદે સમૈં નર કુઝ ખાંઈં પીઈં તે ન હી ગુમરપાઇન કરે। વરતરૈં તૈં બાબદ પલોઝ દોઈ ચમડી અતે વમરતર વે લઈં। ખાલી પોઈ કંટેનરાં દૂં કિસે ગૈર કંમ લઈ ન વરતે। વરતરુન તૈં બાબદ ખાલી પૈંવે કંટેનરાં દૂં નષ્ટર કર દિઈં।

વિઝૈલે મમર લીં નિઝારનીઆં: અંખાં વિચ અતે ચમડી 'તે જલન હો સકદી પે। સંપરશ ઘૈત 'તે અંખાં વિચ લાલી અતે અંઝુ વરાત લી ઝિરાંઇડ હો સકદી પે। ઠંક વિચ જલન, સાહ દૈત વિચ તકલીઝ, કાંઘા, અર્મૂલતન હો સકદા પે।

ઝમર દેઅ ઉપાય: વરતરુ સૂંઘ લઈ પૈંવે તાં રોગી દૂં તાજી હવા વિચ લૈ જાઈં। ચમડી અતે અંખાં વિચ અમર ગૈંઇઆ પૈંવે તાં ઢેર મારે પાણી નાલ ધો વે સાઝ કરે। વરતરુ લી નિગલી ગઈ હોવે તાં ઘરુત સારે દુંધ, અંન્ડે દી સફેદી નાં જિલાટીન દા ઘોલ પિલાઈં અતે ડાક્ટર દૂં પુંછે। ડાક્ટર દી સલાહ લૈત તૈં ઝિતા ઉલ્ટી કરવ લઈ ન કુમાઈં।

વિશ્ર નિવારક: કિસે નિરવારિત વિશ્રનિવારક દી જાનકારી નહીં પે। ઇલોમડાં દે આધાર 'તે ઇલાજ કરે।

નલીનાનાશક દૂં સંરેવ કરન લીઆં ગ્વરલાં: • નલીનાનાશક દે પૈકેજ દુજીઆં ચીઝાં વમરતાં રંખદે વમરતે કમરે તૈં દુર કિસે વૅખરે કમરે/મારતર વિચ નાં નલીનાનાશક દી કિસમ અતે મારતરા દે અનુમાર અલૅગ અલમારી અંદર તાલા મારા દે રંખે। • નલીનાનાશક રંખદે જગહે/સથાન મજબુત બઢે હોદે, સૂંકે, વંગે રોશની વાલે હોવે, ચહાવરા અતે ખુલ્હે ઝુલ્હે સાજીસ દે હોઅ તાં કિ વાવરૂ નાલ મગૈંદે લા પ્રદુસ્રક ના ઝૈલે।

ખાલી પૈકેજાં, વાધૂ બચી દવાઈ અતે ધોવ દે નિકલે પાણી દા નિપટારા: • હિઇ નલીનાનાશક દે નિરમાતરાઁ, ઝ્રરમુલેટરાં અતે વરતરુ વાલિઆં દા ઝ્રરઝ હોદેઆ કિ ઉંઢ પૈકેજાં નાં વાધૂ બચી દવાઈ અતે ધોવ દે વગે પાણી દા નિપટારા દેદાં ઝુરીંધિઆ નાલ કરુ કિ ઇસ દે કારુર વાતાવરુન નાં પાણી દા પ્રદુસ્રક ના હોવે। • ખાલી હોઈ કંટેનરાં દૂં ઘારુદ ના પાદે રહિદે દિઈં તાં કિ દુબારા ના વરતે સા સકદ। • ઇદ્રાં કંટેનરાં પૈકેજાં દૂં ડૈઝ ઈંન કે ઘમતી તૈં દુર ઝમીન હેઠાં દબા કે નષ્ટર કર દિઈં।

पिक्सो

પૈરિથિયોબેક-સોડિયમ 10% ઇસી

કલોરાયનાશક

પૈરિ